International Journal of Research
Special Issue for UGC Approved Journal-Hindi Papers
Available at https://edupediapublications.org/journals
e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 05 Issue 05
March 2018

" अन्तर्मुखी एवं बहिर्मुखी व्यक्तित्व के बालक बालिकाओं के आत्मविश्वास का तुलनात्मक अध्ययन"

श्रीमती जागृति तँवर

सतत् शिक्षा अध्ययन शाला, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

सारांश :– आत्मविश्वास व्यक्तित्व का अनिवार्य अंग है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शिक्षक अपने विधार्थी को शिक्षा के प्रत्येक क्षेत्र का ज्ञान देना चाहता है। केवल किताबी ज्ञान देकर वह शिक्षा के क्षेत्र को सीमित करना नही चाहता है। अतः आत्मविश्वास स्तर का ज्ञान प्राप्त करके शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र को ओर अधिक व्यापक बनाये इसलिये विषय का अध्ययन आवश्यक है। हमारी संस्कृति हमारी परम्पराएँ सभी को संरक्षित रखने वाले बालकों के जीवन सुगम बनाने हेतु व्यक्तित्व एवं आत्मविश्वास का ज्ञान आवश्यक है। अतः बालको के आत्मविश्वास को पोषित करने, प्रोत्साहन करने, अभिसिंचित करने हेतु यह एक प्रयास है।

प्रस्तावना :–

शिक्षा का उद्देश्य बालक के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है। शिक्षा व्यक्तित्व विकास को पूर्ण करने का एक माध्यम है। अतः एक शिक्षक को छात्र की प्रकृति का ज्ञान होना आवश्यक है यदि कोई छात्र आत्मविश्वास से परिपूर्ण है परन्तु विचारों की अभिव्यक्ति नहीं कर पाता है एकांत प्रवृत्ति का अर्थात अन्तर्मुखी होता है तब शिक्षक छात्र के आत्मविश्वास को बहिर्मुखी स्वरूप देने में उसकी प्रतिभा को, विचारों को, अभिव्यक्त करने का सफल प्रयास करता है। बालक के व्यक्तित्व को जाने बगैर दिया गया शिक्षण निरर्थक होगा, इसका कोई प्रमाण नहीं होगा कि अध्यापक द्वारा दिया गया ज्ञान, आर्दश, बालको द्वारा आत्मसात किया गया अथवा नहीं किन्तु यदि अन्तर्मुखी एवं बहिर्मुखी व्यक्तित्व के बालक बालिकाओं के

International Journal of Research
Special Issue for UGC Approved Journal-Hindi Papers
Available at https://edupediapublications.org/journals
e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 05 Issue 05
March 2018

आत्मविश्वास की जानकारी प्राप्त कर ली जाये तब उन्हें उनके स्तर एवं आवश्यकता के अनुसार दिया गया ज्ञान सार्थक होगा।

अध्ययन के उद्देश्य–

1. अन्तर्मुखी एवं बहिर्मुखी बालक बालिकाओं की पहचान करना।

2. अन्तर्मुखी एवं बहिर्मुखी बालक – बालिकाओं के आत्मविश्वास को ज्ञात करना।

3. अन्तर्मुखी बालिकाओं एवं बहिर्मुखी बालिकाओं के आत्मविश्वास का ज्ञान प्राप्त करना।

4. बहिर्मुखी बालकों एवं अन्तर्मुखी बालकों के आत्मविश्वास स्तर की जानकारी प्राप्त करना।

परिकल्पना :– अध्ययन के उद्देश्यों को दृष्टिगत रखते हुए निम्न परिकल्पनाओं का निर्माण किया गया।

1. अन्तर्मुखी बालिकाओं एवं बहिर्मुखी बालिकाओं के आत्मविश्वास में सार्थक अन्तर नहीं होता है।

2. अन्तर्मुखी बालकों एवं बहिर्मुखी बालकों के आत्मविश्वास में सार्थक अन्तर नहीं होता है।

अध्ययन प्रक्रिया :– नवीन ज्ञान की प्राप्ति के लिये व्यवस्थित प्रयास ही अनुसंधान है। प्रस्तुत अध्ययन सर्वेक्षण प्रकृति का है। अध्ययन हेतु निजी एवं सरकारी विद्यालयों के छात्र– छात्राओं को सम्मिलित किया गया है।

न्यादर्श :– बालक बालिकाएँ एक ही कक्षा के चर लिये गये एवं आयु एवं कक्षा के आधार पर समान समुह बनाने का प्रयास किया गया। न्यादर्श हेतु कोटा जिले के राजकीय विद्यालय एवं निजी विद्यालय के कक्षा ग्यारहवीं एवं बारहवीं के बालक–बालिकाओं को चुना गया।

International Journal of Research
Special Issue for UGC Approved Journal-Hindi Papers
Available at https://edupediapublications.org/journals
e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 05 Issue 05
March 2018

न्यादर्श हेतु लगभग 200 बालक बालिकाओं को व्यक्तित्व मापनी वितरित की तथा व्यक्तित्व की जानकारी प्राप्त कर अन्तर्मुखी एवं बहिर्मुखी बालक बालिकाओं को नियंत्रित कर आत्मविश्वास मापने हेतु चयनित किया गया। 50 अन्तर्मुखी एवं 50 बहिर्मुखी बालक–बालिकाओं को न्यादर्श रूप में सम्मिलित किया गया।

विश्लेषण परिणाम एवं व्याख्या

अध्ययन में न्यादर्श बालक बालिकाओं का आत्मविश्वास मापनी द्वारा आत्मविश्वास स्तर ज्ञात किया गया, तदोपरान्त प्राप्त जानकारी को अंकीय प्रदत्तों में ढाला गया।

सांख्यिकीय विश्लेषण

तालिका 1 अ

अन्तर्मुखी बालिकाओं एवं बहिर्मुखी बालिकाओं के आत्मविश्वास परीक्षण से प्राप्त प्राप्तांको का सांख्यिकीय विश्लेषण

Type	N	Mean	S.D.	t-ratio
अन्तर्मुखी बालिकाएँ	50	22.50	3.58	6.203**
बहिर्मुखी बालिकाएँ	50	29.18	6.52	

** .01 सार्थकता स्तर पर सार्थक

अन्तर्मुखी एवं बहिर्मुखी बालिकाओं के आत्मविश्वास अध्ययन परीक्षण से प्राप्त प्रदत्तों के गणना के आधार पर t का मान 6.203 है 49 df पर तालिका में 0.01 तथा 0.05 विश्वास स्तर पर t का निश्चित मान 2.63 एंव 2.87 है।

गणना द्वारा प्राप्त t का मान सारणीकृत मान से अधिक है। अतः सार्थक अन्तर परिलक्षित होता है।

International Journal of Research
Special Issue for UGC Approved Journal-Hindi Papers
Available at https://edupediapublications.org/journals
e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 05 Issue 05
March 2018

सार्थक अन्तर दर्शाता है कि दोनो समूह की बालिकाओं के आत्मविश्वास में अन्तर स्पष्ट परिलक्षित हो रहा है। बहिर्मुखी बालिकाओं में अन्तर्मुखी बालिकाओं की अपेक्षा अधिक आत्मविश्वास पाया गया अतः परिकल्पना अमान्य की जाती है ।

अन्तर्मुखी बालिकाएं चिन्तन प्रवृत्ति की है, परन्तु उनमें अभिव्यक्ति की क्षमता कम पायी गयी है। बहिर्मुखी बालिकाओं में निर्भयता विचारों की अभिव्यक्ति की क्षमता अत्यधिक पायी गयी।

आरेख क्रमांक – 1 अ

अन्तर्मुखी बालिकाओं एवं बहिर्मुखी बालिकाओं के आत्मविश्वास का तुलनात्मक परिणाम

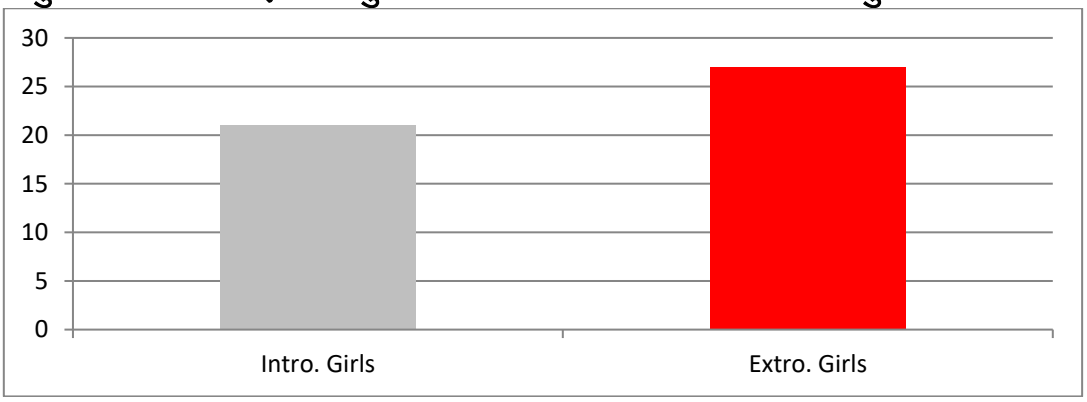

स्त्रोत तालिका 1 अ

तालिका 1 ब

अन्तर्मुखी बालकों एवं बहिर्मुखी बालकों के आत्मविश्वास परीक्षण से प्राप्त प्राप्तांको का सांख्यिकीय विश्लेषण

Type	N	Mean	S.D.	t-ratio
अन्तर्मुखी बालक	50	21.00	3.32	7.614**
बहिर्मुखी बालक	50	27.10	4.51	

** .01 सार्थकता स्तर पर सार्थक

अन्तर्मुखी बालकों एंव बहिर्मुखी बालकों के आत्मविश्वास में सार्थक अन्तर नहीं होता है।

International Journal of Research
Special Issue for UGC Approved Journal-Hindi Papers
Available at https://edupediapublications.org/journals
e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 05 Issue 05
March 2018

अन्तर्मुखी बालकों एवं बहिर्मुखी बालकों के आत्मविश्वास परीक्षण से प्राप्त प्रदत्तों के गणना के आधार पर t का मान 7.614 प्राप्त हुआ है। 49df पर t तालिका में 0.01 तथा 0.05 विश्वास स्तर पर t का निश्चित मान क्रमशः 2.63 तथा 2.87 है। गणना द्वारा प्राप्त t का मान सारणीकृत मान से अधिक है अतः सार्थक अन्तर परिलक्षित होता है। अतः परिकल्पना अस्वीकृत प्राप्त हुई। सार्थक अन्तर दर्शाता है कि अन्तर्मुखी बालकों में बहिर्मुखी बालकों की अपेक्षा आत्म विश्वास बहुत ही कम है। अन्तर्मुखी बालकों में प्रायः शांत एवं स्वयं में ही मग्न रहने की प्रवृत्ति पायी गयी।

जुंग के व्यक्तित्व सिद्धात के अनुसार बहिर्मुखी व्यक्तित्व आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहता है अतःबहिर्मुखी बालक एवं बालिकाएं अपने विचारों को व्यक्त करने में, नेतृत्व के गुणों से युक्त एवं आत्मविश्वास स्तर में उच्च पाये गये।

आरेख क्रमांक – 1 ब

अन्तर्मुखी बालकों एवं बहिर्मुखी बालकों के आत्मविश्वास का तुलनात्मक परिणाम

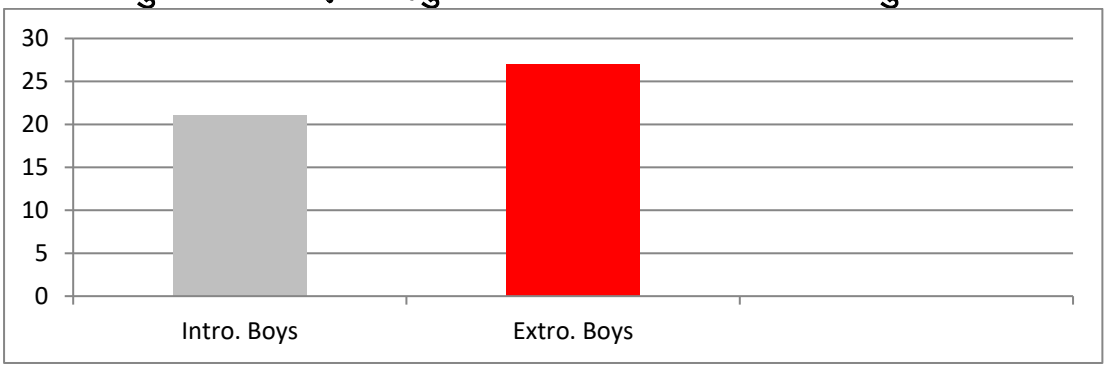

स्त्रोत तालिका 1 ब

परिणाम

प्रस्तुत अध्ययन के परिणाम में निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुए –

1. अन्तर्मुखी बालिकाओं एवं बहिर्मुखी बालिकाओं के आत्मविश्वास स्तर में सार्थक अन्तर पाया गया।

2. अन्तर्मुखी बालकों एवं बहिर्मुखी बालकों के आत्मविश्वास स्तर में सार्थक अन्तर प्राप्त हुआ।

3. बहिर्मुखी बालिकाओं का आत्मविश्वास स्तर अधिक पाया गया।

4. अन्तर्मुखी बालकों की अपेक्षा बहिर्मुखी बालकों में आत्मविश्वास की अधिकता पायी गयी।

शैक्षिक निहितार्थ :–

शिक्षा के उद्देश्यों के सफल परिणामों की प्राप्ति हेतु अन्तर्मुखी एवं बहिर्मुखी बालक–बालिकाओं के आत्मविश्वास के स्तर का ज्ञान होना आवश्यक है अतः अध्ययन इस हेतु सहायक सिद्ध होगा। अभिप्रेरणा, अधिकार भावना, सत्य असत्य का ज्ञान आदि के विकास में व्यक्तित्व पहचान एवं आत्मविश्वास का ज्ञान होना आवश्यक है। अध्ययन शिक्षकों एवं पालकों को अपने छात्रो एवं बालकों को समझने में, उनके व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास को प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होगा।

सन्दर्भ सूची

माथुर एस.एस.– शिक्षा मनोवैज्ञानिक आधार, 1985–86 इन्टरनेशनल पब्लिशिंग हाऊस मेरठ(उ.प्र.)

पाठक पी.डी.–शिक्षा मनोविज्ञान, संस्करण 2003–2004 विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा (उ.प्र.)

राय पारसनाथ– अनुसंधान परिचय, सप्तम संस्करण,1974 विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा (उ.प्र.)

रायजादा डॉ.बी.एस.– शिक्षा में अनुसंधान के आवश्यक तत्व प्रथम संस्करण, 1977 राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर

Sindhu K.S.- Methodology of research in education New Delhi (1985) Sterling Publisher Pvt. Ltd.